

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 13 दिसम्बर, 2011

विषय: गोवंश संरक्षण निधि की स्थापना हेतु ₹ 10.00 लाख की व्यवस्था आकस्मिकता निधि से किया जाना।

महोदय,

राज्य में गो वंश के संरक्षण, संवर्धन एवं उन्नयन व राज्य में कार्यरत पंजीकृत गोशालाओं/गोसदनों को निराश्रित, अशक्त, वृद्ध एवं वंध्या गो वंश के संरक्षण हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गोवंश संरक्षण निधि की स्थापना का निर्णय लिया गया है, चूंकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में इस हेतु आय-व्ययक में कोई प्राविधान नहीं है और इस निधि हेतु आय-व्ययक में कोई मद भी नहीं खुली हुई है।

2. अतः इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में गोवंश संरक्षण निधि की स्थापना हेतु ₹ 10.00 लाख (दस लाख मात्र) को राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम रूप से आहरित कर वित्तीय वर्ष 2011-12 में व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. इस निधि का संचालन प्रस्तावित उत्तराखण्ड गोवंश संरक्षण निधि नियमावली, 2011 के प्राविधानों के अनुरूप किया जायेगा।
2. उक्त निधि में उपलब्ध धनराशि का उपयोग केवल गोसदनों के संचालन तथा गोवंश के संरक्षण हेतु आकस्मिकता की स्थिति में ही किया जायेगा।
3. व्यय धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर पर्चेज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1, वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय संबंधी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों यथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
6. व्यय की सूचना बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

2. इस संबंध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा- 201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः वित्तीय वर्ष 2012-13 में अनुदान संख्या-28 के लेखा शीर्षक 2403-पशुपालन आयोजनेत्तर-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-निदेशालय-42-अन्य व्यय के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

भवदीय,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)  
सचिव

संख्या- 18/XXVII(1)/रा०आक०निधि०/2011 दिनांक 13 दिसम्बर, 2011

प्रतिलिपि: महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी-प्रथम), उत्तराखण्ड देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

आज्ञा से,

(अर्जुन सिंह)  
अपर सचिव

संख्या: 1335 (1) / XV-1/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
5. सचिव, उत्तराखण्ड पशुकल्याण बोर्ड, देहरादून।
6. सचिव, उत्तराखण्ड गोसेवा आयोग, देहरादून।
7. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग/वित्त अनुभाग-1
10. निदेशक, एन०आई०सी० को बेवसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(जी०बी० ओली)  
संयुक्त सचिव